दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काज़ी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

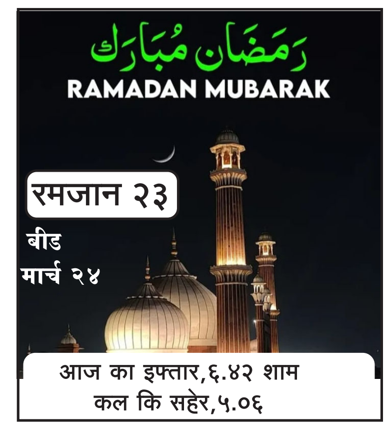

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२३० वा | सोमवार २४ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

वक्फ संशोधन विधेयक लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ी त्रासदी है!

तहरीक-ए-अवकाफ के चेयरमैन शब्बीर अहमद अंसारी ने आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी

नई दिल्ली, २३ मार्च (प्रेस विज्ञप्ति) तहरीक-ए-औकाफ के चेयरमैन शब्बीर अहमद अंसारी ने वक्फ बिल को असंवैधानिक और असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि आजाद भारत में हमेशा किसी की रक्षा या किसी को अधिकार दिलाने के लिए संसद में कानून बनाए गए हैं। लेकिन दुर्भाग्य से मौजूदा सरकार किसी की संपत्ति जब्त करने और किसी के अधिकारों को खत्म करने के लिए कानून बना रही है। यह हमारे महान लोकतांत्रिक देश के लिए किसी बड़ी त्रासदी से कम नहीं है। वक्फ बिल लोगों के अधिकारों को दबाने और उन्हें बर्बाद करने के लिए लाया जा रहा है। ऐसे समय में लोकतांत्रिक व्यवस्था में भरोसा रखने वाले हर भारतीय का यह फर्ज बनता है कि वह इस बिल और मुस्लिम पर्सनल लॉ के साथ-साथ सरकार के अलोकतांत्रिक कदमों के खिलाफ बोले। यह सिर्फ एक समुदाय या एक वर्ग की समस्या नहीं है, बल्कि यह हर उस नागरिक की समस्या है जो लोकतंत्र में विश्वास रखता है और इस देश की महान परंपरा और गंगा-जमनी सभ्यता पर भरोसा करता है।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने पचास साल से ज्यादा समय समाज की सेवा में बिताया है। मैंने अपना जीवन देश में पैदा हुए सभी अधिकारों की लड़ाई में बिताया है, जिसमें मंडल आयोग भी शामिल है। इतिहास गवाह है कि चाहे ओबीसी का मुद्दा हो या जाति समुदायों के पंजीकरण का मुद्दा हो, या गरीब और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का मुद्दा हो, हर लड़ाई संविधान के मुताबिक लड़ी गई है और जीती गई है। दुर्भाग्य से, इस बार संसद से असंवैधानिक और असंवैधानिक कानून बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसे लोकतंत्र के काले लबादे को हटाकर कानून का रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तहज्जुद औकाफ बोर्ड के बैनर तले महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों में कानूनी कार्रवाई करके वक्फ संपत्तियों से कब्जा हटाने का काम बड़ी सफलता और बिना किसी डर के किया गया है। राज्य और केंद्र सरकारों को समझाने का काम किया गया है। बताया गया कि ऐसा वक्फ भी आने वाला है जब सरकार खुद अधिकारों को दबाने के लिए कानून बनाएगी।

उन्होंने कहा कि जिस तरह मंडल कमीशन आंदोलन शुरू किया गया था, उसी तरह मुस्लिम पर्सनल लॉ के साथ वक्फ बोर्ड को बचाने के लिए देशभर में आंदोलन शुरू किया जाएगा और यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार इस असंवैधानिक विधेयक को वापस नहीं ले लेती।

सरकार को यह अच्छी तरह से पता होना चाहिए कि वक्फ की संपत्तियां किसी की निजी संपत्ति नहीं हैं, बल्कि वे अल्लाह के नाम पर हैं, जिनकी सुरक्षा मुसलमानों पर अनिवार्य है। इनमें मस्जिद, मदरसे, कब्रिस्तान, अनाथालय, अस्पताल, शिक्षण संस्थान, कल्याणकारी संस्थान, मठ और दरगाह आदि शामिल हैं। लेकिन मौजूदा सरकार हमारे शरिया मामलों में हस्तक्षेप करके हमारी इस्लामी परंपराओं को नष्ट करने और उन पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रही है। सरकार को इसे बेचने का कोई अधिकार नहीं है। भारत के मुसलमानों की मांग पर पिछली सरकारों द्वारा वक्फ बोर्ड की स्थापना की गई थी ताकि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा की जा सके और संपत्तियों का प्रबंधन बेहतर ढंग से किया जा सके। लेकिन मौजूदा सरकार इस पर नियंत्रण पाने के लिए कानून का सहारा ले रही है। लेकिन मुसलमान किसी भी हालत में इस क्रूर कानून को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

आ.विजयसिंह पंडित के हाथों विकास कार्यो का शुभारंभ

पांच वर्षों में बदलेगा मतदारसंघ का चेहरा-आ. पंडित

गेवराई, २३ मार्च (प्रतिनिधि): गेवराई विधानसभा मतदारसंघ के विधायक विजयसिंह पंडित ने निपाणी जवळका गांव में विभिन्न विकास कार्यो का शुभारंभ अपने हाथों से किया। इनमें ग्रामपंचायत भवन सभामंडप का निर्माण और १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत पानी की टंकी की स्थापना जैसे कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक पंडित ने कहा कि मतदाताओं ने उन्हें विधानसभा में काम करने का अवसर दिया है और आने वाले पांच वर्षों में वे इस विधानसभा क्षेत्र का चेहरा पूरी तरह बदल देंगे।

निपाणी जवळका में आयोजित इस कार्यक्रम में पंचमुखेश्वर संस्थान भाटेपुरी के महंत महादेव महाराज श्रावणपुरी, जयभवानी सहकारी चीनी मिल के उपाध्यक्ष भाऊसाहेब नाटकर, बाजार समिति के सभापति मुजीब पठान, संचालक जगन्नाथ शिंदे, श्रीराम आरगड़े सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

विधायक पंडित ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से निपाणी जवळका में ग्राम देवता श्री ज्योतीबाराय की यात्रा के लिए आ रहे हैं और यात्रा में बारह गाड़ियों को खींचने का जो सम्मान उन्हें मिलता है, वह वे कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आने वाले समय में निपाणी जवळका के मारुति मंदिर सभामंडप, श्री ज्योतीबाराय मंदिर तक जानेवाले रास्ते, दलित समाज के लिए श्मशानभूमि तथा औरंगपुर तांडा क्षेत्र की श्मशानभूमि का निर्माण कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर ग्रामवासियों की ओर से विधायक पंडित का सत्कार भी किया गया। कार्यक्रम में बाबूराव सावंत, बळीभाऊ चव्हाण, नवनाथ वेताळ, सरपंच विष्णुपंत घोंगडे, अशोक नाईकवाडे, अंकुश गायकवाड, रामदास मुंढे, मंगेश कांबळे, महादेव जाधव, विलास माने, बाबूराव काकडे, राम लोणकर, कचरू काकडे, शिवाजी आतकरे, ज्ञानेश्वर काकडे, आसाराम काकडे, कल्याण ढेरे, दिलीप कुलकर्णी, सखाराम लोणकर, अजय लोणकर, बाळू ढेरे, सरपंच मोहन काकडे, उपसरपंच बाबासाहेब राठौड़, राष्ट्रवादी कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता तथा ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नागपुर में जनजीवन सामान्य, कर्फ्यू पूरी तरह हटाया गया

अब स्थिति सामान्य, लेकिन कुछ क्षेत्रों में पुलिस तैनाती बरकरार

नागपुर, २३ मार्च (प्रतिनिधि): शहर में हुई हिंसक घटनाओं के छह दिन बाद रविवार को नागपुर के शेष चार क्षेत्रों से भी कर्फ्यू पूरी तरह हटा लिया गया है। नागपुर पुलिस ने जानकारी दी कि २३ मार्च को दोपहर ३ बजे के बाद पूरे शहर से कर्फ्यू हटा दिया गया। इसके साथ ही अब जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। हालांकि कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती अभी भी जारी रहेगी।

हिंसा के चलते नागपुर शहर की बाजारें सुनसान पड़ी थीं। कर्फ्यू लागू होने के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में पुलिस बंदोबस्त के कारण आवाजाही पूरी तरह थम गई थी। अब स्थिति में सुधार होने से बाजार दोबारा खुल गए हैं और जनसामान्य की गतिविधियां सामान्य होती जा रही हैं। महाल, गांधीबाग और इतवारी जैसे बड़े व पुराने होलसेल बाजारों में भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है।

बताया गया है कि कर्फ्यू के पहले ही दिन लगभग २५० करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हुआ था। नागपुर के महाल क्षेत्र में पत्थरबाज़ी और आगजनी की घटनाओं के बाद शहर के परिमंडल ३, ४ और ५ में कर्फ्यू लगाया गया था। इनमें परिमंडल ३ के कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पाचपावली, शांतीनगर; परिमंडल ४ के सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाड़ा; तथा परिमंडल ५ के यशोधरानगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्र शामिल थे।

अब इन सभी क्षेत्रों से कर्फ्यू हटा लिया गया है। इनमें से कई क्षेत्रों से पहले ही चरणबद्ध तरीके से कर्फ्यू हटाया गया था। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हुई थी, जबकि २० दोपहिया वाहन, ४० चारपहिया वाहन और दो क्रेन को आग के हवाले किया गया था। साथ ही कई घरों में भी आगजनी की गई थी। इस मामले में अब तक १०५ लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें कुछ नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं।

शाहिद सलीम सर का इंतेकाल

आज नमाज ए जनाजा।

बीड, २४ मार्च: बीड़ मिलिया हाई स्कूल के सेवानिवृत्त ड्राइंग शिक्षक शाहिद सलीम पुत्र शेख उमर मौलवी साहब का २३ मार्च की रात निधन हो गया।

उनकी नमाज़े जनाज़ा २४ मार्च की सुबह फज्र की नमाज़ के बाद तकीया मस्जिद परिसर में अदा की जाएगी और वहीं से लगे कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। शाहिद सर अपने विद्यार्थियों में अत्यंत लोकप्रिय, विनम्र और प्रिय शिक्षक के रूप में जाने ाते थे। वे नमाज़ और रोज़े के पाबंद, नेकदिल और संवेदनशील स्वभाव के इंसान थे। रोज़नामा तामीर संस्थान उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है और सलीम परिवार के दुख में बराबर का सहभागी है। अल्लाह से दुआ है कि वह मरहूम की मग़फिरत करे, उनके दरजों को बुलंदी दे और उन्हें जन्नतुल फिरदौस में स्थान प्रदान करे। आमीन।

मोईन मास्टर और शेख निज़ाम का सम्मानपूर्वक स्वागत

बीड़ (संवाददाता): बीड़ नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष और बेहतरीन समाजसेवी सैयद मोईन मास्टर को उनकी सामाजिक सेवाओं की सराहना करते हुए हाल ही में लॉ कॉलेज में राम राव औरगांवकर सोशल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, बीड़ के पूर्व नगरसेवक शेख निज़ाम द्वारा रमज़ान के मौके पर अकबर कैपिटल (पुराना अशोक टॉकीज) में मीना बाज़ार की सुविधा उपलब्ध कराने और सालारजंग शहीद मस्जिद के पिछले हिस्से से बंदलपुरा की ओर रास्ता वक्फ करने जैसे कार्यो के लिए शेख निज़ाम और उनके भाइयों की मिल्ली सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका सम्मान रोज़नामा तामीर के कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर तामीर के संपादक क़ाज़ी मखदूम, उप-संपादक क़ाज़ी मुजीब, क़ाज़ी अश्फ़ाक़ ग़ौस पाशा, शोकत क़ाज़ी, इंजीनियर अयाज़ बेग, इंजीनियर मोहम्मद नईम और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उद्धव ठाकरे ने नहीं, बल्कि नारायण राणे की गिरफ्तारी के समय अमित शाह ने किया था फोन:संजय राऊत का पलटवार

मुंबई (ज़मीर काज़ी): शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता और सांसद संजय राऊत ने रविवार को बड़ा दावा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मिलिंद नार्वेकर ने नारायण राणे को फोन नहीं किया था, बल्कि राणे की गिरफ्तारी के समय उनके परिवार वालों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्धव ठाकरे को फोन किया था।

संजय राऊत का यह बयान नारायण राणे के उस दावे के जवाब में आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि दिशा सालियन की मौत के मामले की जांच के दौरान उद्धव ठाकरे ने उन्हें दो बार फोन किया था और आदित्य ठाकरे का नाम इस प्रकरण में न लिया जाए, ऐसी विनती की थी। राणे ने यह भी दावा किया था कि ठाकरे ने यह कॉल मिलिंद नार्वेकर के फोन से किया था। इन दावों का खंडन करते हुए संजय राऊत ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, हमने उद्धव ठाकरे और मिलिंद नार्वेकर से इस बारे में पूछा, और दोनों ने नारायण राणे को फोन करने की बात से साफ इंकार किया है। ऐसे में राणे इतने सालों बाद इस तरह का दावा किस आधार पर कर रहे हैं, यह समझना जरूरी है।

राऊत ने तंज कसते हुए कहा, अब राणे ७० साल की उम्र पार कर चुके हैं, हमें उनकी सेहत की चिंता होती है। संजय राऊत ने आगे कहा, उस समय मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर नारायण राणे को गिरफ्तार किया गया था। उस समय उनके परिवार की ओर से उद्धव ठाकरे को फोन किया गया था और कहा गया था कि राणे की तबीयत ठीक नहीं है, उन्हें संभाल लें। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खुद उनकी रिहाई के लिए उद्धव ठाकरे को फोन किया था। शाम को उद्धव ठाकरे ने पुलिस को निर्देश दिए, जिसके बाद राणे को रिहा किया गया।

सैयद सलीम की ओर से भव्य इफ्तार पार्टी का आयोजन

सभी धर्मों के गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि और अधिकारी हुए शामिल

बीड़ (संवाददाता): पूर्व विधायक सैयद सलीम की ओर से हर साल की तरह इस वर्ष भी बीड़ किला परिसर स्थित मोलिया कॉलेज कैम्पस में रोज़ा इफ्तार का भव्य आयोजन किया गया। इस इफ्तार पार्टी में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े सम्माननीय व्यक्तियों के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, पत्रकार और आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वर्तमान विधायक संदीप शिरसागर, पूर्व विधायक सुनील धांडे, उषा ताई दराड़े, राजेंद्र महेस्के सहित नगर परिषद के सदस्य और कई प्रमुख धार्मिक विद्वान भी मौजूद थे। इस आयोजन को आपसी सौहार्द और एकता का प्रतीक बताया गया, जिसमें सभी धर्मों और समाज के लोगों ने एक साथ मिलकर इफ्तार किया।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

एक खोके भाई की क्या बात करते हो, पूरी विधानसभा 'खोके भाइयों' से भरी है! - राज ठाकरे का सरकार पर तंज

मुंबई (ज़मीर काज़ी):

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को पार्टी पदाधिकारियों की एक अहम बैठक में राज्य सरकार पर जोरदार हमला करते हुए कहा, एक खोके भाई की क्या बात करते हो, पूरी विधानसभा ही खोके भाइयों से भरी हुई है! उन्होंने यह बयान मुंबई के दादर स्थित रविंद्र नाट्य मंदिर में आयोजित महापालिका चुनावी रणनीति बैठक में दिया।

राज ठाकरे ने कहा कि जनता के असली मुद्दों और समस्याओं को दरकिनार कर चर्चा को बेवजह दूसरी दिशा में मोड़ा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके मन में कई बातें भरी हुई हैं, जिन्हें वे आगामी गुड़ी पड़वा मेळावा में सार्वजनिक करेंगे। यह भव्य आयोजन ३० मार्च, रविवार को मुंबई के शिवाजी पार्क मैदान में होगा।

बैठक में आगामी मुंबई महापालिका चुनाव को ध्यान में रखते हुए मनसे ने संगठनात्मक स्तर पर कई अहम बदलाव किए हैं। राज ठाकरे ने इस अवसर पर नए पदाधिकारियों की नियुक्तियों की भी घोषणा की।

मनसे के नए पदाधिकारी:

मुंबई शहर अध्यक्ष: संदीप देशपांडे

दक्षिण मुंबई उपशहर उपाध्यक्ष: यशवंत किल्लेदार

पश्चिम उपनगर उपाध्यक्ष: कुणाल माईणकर

पूर्व उपनगर उपाध्यक्ष: योगेश सावंत

गट प्रमुख एवं शाखाध्यक्ष प्रमुख: अमित ठाकरे, विभाग अध्यक्ष प्रमुख: नितीन सरदेसाई,केंद्रीय समिति सदस्य: बाळा नांदगावकर और अविनाश अभ्यंकर

राज ठाकरे का बयान बीड़ जिले के भाजपा विधायक सुरेश धस और उनके सहयोगी सतीश भोसले उर्फ 'खोके' के आपराधिक गतिविधियों व वायरल वीडियो के संदर्भ में आया। राज ठाकरे ने कहा, एक खोके भाई की चर्चा करने से कुछ नहीं होगा, पूरी विधानसभा ही खोके भाइयों से भरी है।

राज ठाकरे के इस बयान को राज्य की मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति पर तीखा कटाक्ष माना जा रहा है।-

महाराष्ट्र विधानसभा बजट सत्र का अंतिम सप्ताह आज से शुरू, तीन दिन की कार्यवाही में हंगामे की आशंका, दो मंत्रियों समेत आदित्य ठाकरे विपक्ष के निशाने पर

मुंबई, २३ मार्च (अज़ीज़ एजाज़): महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र का अंतिम सप्ताह सोमवार से शुरू हो रहा है। हालांकि सत्ताधारी गठबंधन की ओर से यह उम्मीद जताई जा रही है कि बचे हुए तीन दिनों की कार्यवाही शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में चलेगी, लेकिन विपक्ष की सक्रियता को देखते हुए हंगामे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सत्तापक्ष का मानना है कि विपक्ष इस समय आंतरिक मतभेदों के चलते कमजोर है। बावजूद इसके, ऐसा माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ गठबंधन की दो बड़ी पार्टियां-भारतीय जनता पार्टी और शिंदे गुट की शिवसेना-एक बार फिर दिशा सालियन की रहस्यमयी मौत का मुद्दा उठाकर शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे को घेरने कि कोशिश कर सकती हैं।

वहीं कांग्रेस और शरद पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (छउझ) की ओर से उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सरकार के दो मंत्रियों के इस्तीफे की मांग को लेकर दोनों सदनों की कार्यवाही में बाधा डालने की आशंका है।

इस सत्र के अंतिम दिन संविधान पर चर्चा रखी गई है। इस चर्चा में सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों पक्षों के सदस्य अपनी-अपनी पार्टी की नीतियों के अनुसार भाषण देंगे और एक-दूसरे पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए खुद को संविधान समर्थक साबित करने की कोशिश करेंगे।

हालांकि, जनता की नजर इस बात पर भी रहेगी कि आखिर इस पूरे बजट सत्र में आम जनता से जुड़े मुद्दों का कितना समाधान हुआ है। यदि इस सवाल का जवाब स्पष्ट नहीं मिला, तो संविधान पर होने वाली यह चर्चा सिर्फ कागज़ी और दिखावटी साबित होकर रह जाएगी।

बस चलाते समय मोबाइल पर मैच देख रहा था शिवनेरी बस चालक!

चालक बर्खास्त, निजी कंपनी पर जुर्माना

मुंबई (विशेष प्रतिनिधि):

शिवनेरी एसटी बस का एक चालक यात्रियों की जान जोखिम में डालकर बस चलाते समय मोबाइल पर आईपीएल क्रिकेट मैच देखता हुआ पकड़ा गया। इस लापरवाही का वीडियो एक सतर्क यात्री ने अपने मोबाइल से रिकॉर्ड कर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को भेजा। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित चालक को बर्खास्त किया गया है और निजी कंपनी पर ५,००० रुपये का जुर्माना एसटी प्रशासन द्वारा लगाया गया है।

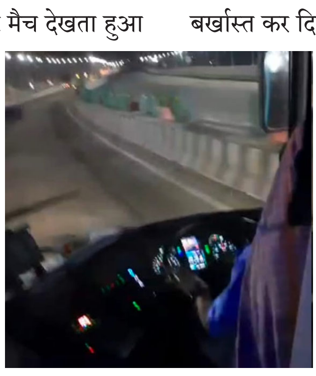

यह घटना शनिवार रात करीब १० बजे घटी, जब दादर से स्वारगेट (पुणे) जा रही शिवनेरी बस (क्रमांक चक-१२ तक्र-८०१७) लोणावला के पास थी। यात्री ने देखा कि बस चालक बस चलाते समय मोबाइल पर मैच देख रहा है, और उसने तुरंत इसका वीडियो बनाकर परिवहन मंत्री को भेज दिया।

शनिवार शाम ७ बजे दादर से निकली ई-शिवनेरी बस के इस वीडियो को देखने के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्देश के अनुसार, स्थानीय एसटी अधिकारियों ने संबंधित निजी चालक को यात्रियों की जान खतरे में डालने के कारण बर्खास्त कर दिया और जिस निजी कंपनी से वह जुड़ा था, उस पर भी ५,००० रुपये का जुर्माना ठोका गया।

परिवहन विभाग ने कहा है कि इस प्रकार की घटनाओं से एसटी की प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है, इसलिए नियमों का पालन न करने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। यात्रियों के भरोसे को बनाए रखने के लिए भविष्य में एसटी की सभी निजी बसों के चालकों को समय-समय पर अनुशासित ड्राइविंग का प्रशिक्षण देना आवश्यक बताया गया है।

हेडफोन लगाकर वाहन चलाने पर भी होगी कार्रवाई: परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने यह भी बताया कि रिक्षा और टैक्सी चालकों द्वारा हेडफोन लगाकर गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर मैच या फिल्म देखने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इस पर रोक लगाने के लिए परिवहन विभाग जल्द ही एक नई नियमावली लाकर सख्त प्रतिबंध लागू करेगा।

अंबाजोगाई में तेंदुए के हमले में बैल की मौत

मांडवा पठाण परिसर में फिर दिखा तेंदुआ, किसानों में दहशत का माहौल

अंबाजोगाई, २३ मार्च (प्रतिनिधि): अंबाजोगाई शहर के समीपवर्ती मांडवा पठाण क्षेत्र में पिछले कई दिनों से तेंदुए की मौजूदगी की खबरें सामने आ रही थीं। शुक्रवार रात इस क्षेत्र में तेंदुए द्वारा एक बैल पर हमला कर उसे मार डाले जाने की घटना सामने आई है, जिससे ग्रामीणों और किसानों में भय का वातावरण फैल गया है।

जानकारी के अनुसार, मांडवा पठाण गांव के पास रहने वाले शिक्षक बळीराम आकुसकर की खेती है। रोज़ की तरह उन्होंने शाम करीब ८ बजे अपने जानवरों को चारा-पानी देकर उन्हें बांध दिया और अंबाजोगाई स्थित अपने निवास पर लौट गए। रात में उन्हें सूचना मिली कि उनके बैल पर तेंदुए ने हमला किया है।

पास के खेतों में रहने वाले अन्य किसानों ने जब पशुबाड़े की ओर दौड़ लगाई, तो उन्होंने देखा कि तेंदुए ने बैल को बुरी तरह फाड़ डाला था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गौरतलब है कि इससे पहले भी बळीराम आकुसकर का एक गाय तेंदुए का शिकार बन चुकी है। अन्य किसानों ने भी बताया कि उनके पशुओं पर तेंदुए द्वारा हमले हो चुके हैं। इस घटना के बाद मांडवा पठाण और आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल है। किसानों ने वन विभाग से मांग की है कि तेंदुए की तलाश कर उसे पकड़ने की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल पर मुल्कापुर शहर पुलिस स्टेशन की चेतावनी

मुल्कापुर, २३ मार्च (मुहम्मद अहसान सर): प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मुल्कापुर शहर पुलिस स्टेशन ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से मुल्कापुर क्षेत्र के नागरिकों, खासकर युवाओं से अपील करते हुए एक आधिकारिक चेतावनी जारी की है।

पुलिस ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी समुदाय, विशेषकर धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक, भड़काऊ, विवादास्पद, अपमानजनक या नफरत फैलाने वाली पोस्ट, स्टेटस, वीडियो या किसी भी प्रकार की सामग्री अपलोड, शेयर या फॉरवर्ड करना पूरी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि जो भी व्यक्ति ऐसी नकारात्मक और आपत्तिजनक गतिविधियों में लिप्त पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा और कानून के तहत सख्त कदम उठाए जाएंगे।

मुल्कापुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी गतिविधियों से दूर रहें और सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारी से करें, ताकि समाज में शांति और सौहार्द बना रहे।

जातीय तनाव फैलाने वाली पोस्ट: परळी में दो नाबालिगों पर मामला दर्ज

परळी वैजनाथ, २३ मार्च (प्रतिनिधि): औरंगजेब को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले दो नाबालिगों के खिलाफ परळी शहर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार, दो नाबालिगों ने दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने की नीयत से २२ मार्च की रात ९ बजे इंस्टाग्राम पर औरंगजेब से संबंधित आपत्तिजनक पोस्ट वायरल की। सोशल मीडिया पर साइबर पुलिस की नजर होने के कारण यह पोस्ट तुरंत पकड़ में आ गई।

इस मामले में परळी शहर की गुप्त शाखा के पुलिस कॉन्स्टेबल विष्णु फड की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। संबंधित पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा दिया गया है।

पुलिस ने कहा है कि सोशल मीडिया पर गलत पोस्ट वायरल करते समय सामाजिक भावनाओं का ध्यान रखना जरूरी है। अनावश्यक रूप से कोई पोस्ट वायरल न करें, अन्यथा सामाजिक तनाव फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों के मोबाइल पर नजर रखें।

मोहम्मद हम्मदान ने पवित्र रमजान महिने का अपने जीवन का पहेला रोजा रखा!

जिंतूर:- पत्रकार एम एजाज जिंतूरकर के नवासे मोहम्मद हम्मदान मो अब्दुल रहेमान उम्र ७ साल इस मासूम बच्चे ने इस्लाम धर्म के रमजान महिने का का अपने जीवन का पहेला रोजा रखा! इस मासुम रोजदार का परिवार की ओर से एक छोटेखानी प्रोग्राम मे गुलपोशी कर सत्कार अब्बु मोहम्मद अब्दुल रहेमान अम्मी,बडे अब्बु मोहम्मद खुर्शीद,बडे अम्मी,बडे अब्बु मोहम्मद सफदर बडे अम्मी,चाचा मोहम्मद युनूस,चाची, चाचा मोहम्मद ऊजेर,मामा मोहम्मद यहिया मामा मोहम्मद जकरीया,फुपा फुपी,खाला,खालू अब्दुल रशीद सैफी ने न्हने रोजदार को फुलमालाऐ पहेनाकर गुल्पोशी की ओर मुबारक बाद दी

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com